शालोम। हमारे प्रभु यीशु मसीह का नाम धन्य हो।

प्रभु की अनुग्रह से ही हम इस नए वर्ष 2020 को देखने पाए हैं। सब लोग इस वर्ष तक नहीं पहुँच सके, परन्तु हम पहुँच गए—सारी महिमा, आदर और धन्यवाद उसी को हो। आमीन।

मैं आपको इस नए आरम्भ हुए वर्ष में सफलता की कामना करता/करती हूँ—सबसे पहले आपकी आत्मा की उन्नति हो। क्योंकि जब आत्मा उन्नति करती है, तो जीवन के अन्य सभी क्षेत्र भी उन्नति करते हैं। जैसा कि पवित्रशास्त्र में लिखा है:

3 यूहन्ना 1:2
“हे प्रिय, मैं प्रार्थना करता हूँ कि जैसे तू आत्मा में
उन्नति कर रहा है वैसे ही तू सब बातों में उन्नति करे और भला-चंगा रहे।”

वर्ष के आरम्भ में इस्राएल की सन्तानें दासत्व के घर से छुड़ाई गईं और स्वतंत्र हुईं। उसी प्रकार प्रभु आपको भी शैतान के बंधनों और दासत्व से यीशु मसीह के नाम में स्वतंत्र करे। शैतान की हर योजना और हर बंधन को प्रभु इस वर्ष 2020 में आपसे दूर करे। जो कुछ कठिन था, प्रभु उसे सरल बना दे।

जहाँ आप शत्रु की भारी परीक्षाओं के कारण विश्वास में आगे नहीं बढ़ पा रहे थे, वहाँ प्रभु इस वर्ष उन बाधाओं को रोक दे, यीशु मसीह के नाम में।

यह वर्ष प्रभु का वर्ष हो। आप जो कुछ प्रभु के लिए और अपने जीवन के लिए करें, उसमें उन्नति और समृद्धि मिले।

मुझे एक बीता हुआ वर्ष याद है। हम प्रतिदिन सायंकाल घर में छोटा-सा पारिवारिक आराधना समय रखते थे। हमने निश्चय किया था कि बाइबल की प्रत्येक पुस्तक को अध्याय दर अध्याय पढ़ेंगे—प्रतिदिन एक अध्याय। वर्ष समाप्त होने से लगभग ढाई महीने पहले हमने भजन संहिता पढ़ना आरम्भ किया। प्रतिदिन एक भजन पढ़ते और अगले दिन दूसरा—इस प्रकार 30 दिनों में हम 30 अध्याय पढ़ चुके थे।

हमने एक भी दिन नहीं छोड़ा। जब 31 दिसम्बर की रात आई, तब हम भजन संहिता के 65वें अध्याय तक पहुँच चुके थे। उस दिन हमने पढ़ने के स्थान पर उसे विशेष रूप से स्तुति और धन्यवाद का दिन बना दिया। हमने निश्चय किया कि 65वाँ अध्याय 1 जनवरी को पढ़ेंगे।

1 जनवरी की संध्या को जब हम एकत्र हुए और भजन संहिता 65 पढ़ा, तो

उसमें हमने क्या पाया?

आइए पढ़ें—

भजन संहिता 65:9-11
“तू पृथ्वी की सुधि लेकर उसे सींचता है; तू उसे बहुत उपजाऊ बनाता है; परमेश्वर की नदी जल से भरी रहती है; तू लोगों के लिये अन्न तैयार करता है, क्योंकि तू ही भूमि को तैयार करता है।
तू उसकी मेंड़ों को सींचता है; उसकी ढेलों को बैठा देता है; तू वर्षा की बूँदों से उसे कोमल करता है; और उसकी उपज को
आशीष देता है।
तू अपने वर्ष को अपनी भलाई का मुकुट पहनाता है, और तेरे मार्गों से समृद्धि टपकती है।”

विशेषकर पद 11—“तू अपने वर्ष को अपनी भलाई का मुकुट पहनाता है”—हमारे लिए उस वर्ष का वचन बन गया।

इसने हमें बहुत प्रोत्साहित किया। हमें यह ज्ञात नहीं था कि भजन 65 नए वर्ष के आशीषों की बात करता है। तब हमें समझ आया कि परमेश्वर हमसे बात कर रहे थे और हमें वर्ष का वचन दे रहे थे। हमारी प्रत्येक आराधना गिनी जा रही थी। प्रत्येक अध्याय का

महत्व था। और परमेश्वर ने ठीक 1 जनवरी को हमें उसी अध्याय तक पहुँचा दिया।

और सचमुच वह वर्ष परमेश्वर की भलाई से भरा हुआ वर्ष सिद्ध हुआ। प्रभु ने हमारी अपेक्षा से कहीं अधिक भलाई की और अपने वचन को पूरा किया।

आज यह वचन आपका भी हो।

प्रभु आपके वर्ष को “अपनी भलाई का मुकुट” पहनाए। आप अपने जीवन में ऐसे अद्भुत कार्य देखें जो पहले कभी न देखे हों। यह वर्ष आपके लिए पिन्तेकुस्त का वर्ष हो—फलवंत होने का वर्ष, परमेश्वर को प्रसन्न करने वाला जीवन जीने का वर्ष, आनंद और सफलता का वर्ष। जब आप भीतर जाएँ और जब बाहर निकलें, हर स्थान पर प्रभु आपको आशीष दे।

परन्तु इन सब आशीषों के साथ मैं आपको स्मरण भी दिलाना चाहता/चाहती हूँ—

इस वर्ष अपने बच्चों को पिछले वर्ष से भी अधिक परमेश्वर के भय के मार्ग में चलाना। जहाँ आवश्यकता हो वहाँ उन्हें अनुशासन

देने से न चूकें, क्योंकि बाइबल कहती है कि वह उससे न मरेगा।

इस वर्ष आत्मिक उन्नति में एक कदम आगे बढ़ें। जहाँ उपवास और प्रार्थना आवश्यक हो, वहाँ आलस्य न करें। पिछले वर्ष की आत्मिक स्थिति पर संतुष्ट न रहें। अपनी पवित्रता और शुद्धता का स्तर बढ़ाएँ। वर्ष का आरम्भ प्रभु के साथ करें।

इस वर्ष यह निश्चय करें कि आप जो फल प्रभु के लिए लाएँगे वे पिछले वर्ष से दस गुना अधिक हों। संक्षेप में—जो भी बात आपने पिछले वर्ष ढीली छोड़ दी थी, उसे इस वर्ष अपने साथ आगे न ले जाएँ।

और जब आप ऐसा करेंगे, तब परमेश्वर अपने वचन के अनुसार आपके पास आएँगे, आपको उन्नति देंगे, आपको समृद्ध करेंगे, और आपके वर्ष को अपनी भलाई का मुकुट पहनाएँगे (भजन 65)।

ऐसा ही आपके लिए यीशु मसीह के नाम में होगा।

आमीन।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp